न्यारःक्या ।

यस'र्ट्राचेंद्रि'स्रवद'र्र्ड्येर्'खेण्यप्पर्प्राचेंद्रम्'ची:ब्रेट्र'च'स्राव्यद्र'स्रमुख'क्कुव'
ढेश न न हे पर्वत केंश ग्री मुल अर्कत न्याय प्रवाद प्रति गासुर चेत प्रेश सु
यर्गेर्'य'य्व्यार्थ्यं ।
अर्केर नहें र ग्रे केंग य रेंग र य र गुर य
TISTINGS (4)
রাষ্ট্রর'বাহারা ·····(22)
Fmm'n'Ési'qÉ3'5,95'5 ··································
न्द्रम् हुम् हुम् (34)
মান্ত্রি শৃষ্ট্রমা (41)
ब्राइव नाज्या
क्रेंद्र(देन् ।
#स्याप्त्र ।
यद्र- प्रमुद्ध प्रते त्यम मुस्रा त्य द्व्य ।
वर्तरावश्रुवरावरावश्राम्बुवराव नुभू ना
र्ह् ग्राञ्चीत श्रुर ग्राञ्च अरा ग्री कंत्र प्रमृत्या
विर्क्षियः स्रेश्रस्त्रं त्रस्य त्रेष्ठः प्रदानीः स्ट्रिं व्याप्ते व्यापते व्याप्ते व्यापते व्या
वर्देरः त्रकृतः षदः द्वाः अद्यतः अर्देतः दुः नुकायवैः क्षंदः यत्वदः या(115)
ন্দ্ৰেম্ব্ৰন্ত্ৰ্
ब्रिड्र

हे.चर्थ्य.क्र्ब.मी.मैजा.भक्य.मी.चंतरावरीश रि

শ্বিমশ্যনন্ত্ৰীন্।	(157
वेग केंत्र सेमस्य न्रसुद ग्री खुस हेत् ५८८ सेमस हेत् य ५५५८ या	(158)
ইন্'ক্রর'শূর'ই্ন'ঝমঝ'ন <u>ঞ্</u> ধীর'শ্রী'র্ন'র্ন'ঝ'র্ঘ্রর'ন।	(161)
२८:अग्राय:य:वेग:केव:गुव:ह् च:बेश्रय:चश्चेद:ग्री:हेव:चन्द:य	(176)
यहेव'य' वेष' केव' गुव' हें य' बेसब'य ब्रेड र'य वर्'य।	
ব্যার্শ্রমার্র শ্লীব্রাব্রি ক্রেন্স্র ক্রিন্স কর্	
ग्रस्थरम् ।	
শ্বুত্র ন্মৃত্যু	(191)
নই্র'শৃঞ্জ্ব্য	(213)
यदेव यदी	
ब्रुव स्	(247)
अर्देवः भेषादुगायम् दापा	
र्बेंद्र-त्यम्	
<u> ब्र</u> ्ह्ये प्रत्या ची हे व त्य प्रचित् पा	(261)
ৰ্ষ্ট্র-মেমান্ত্রীইন্ট্রমেন্ব্রন্ম।	
র্মানম্মার্শ্বমান্ধ্রাল্রী।ন্তব্যান্যান্ধ্রাল্রী	
কু<- বেল্রী= ক্টার্ন শ্রিরি ল্রিব্ নাম	
चेगा केन क्रूँ र प्ययः दे चेगा द्यन क्रूँ र प्ययः प्यश्व दि क्रूँ र क्रूरे क्रूँ व्या	
ভিই.নহ.ধনমাধ্য-প্রিকা	(282)
<u> ૨૮.બૈયોજાતા કુવા કુવ ક્ર્રી ૨.તાજા કી જાજ્ય છે ૮.જૂવોજા અને ૨.૧</u>	(285)
मेशक्षेत्र हेंग यामन या	

र्यार:कवा ।

ग्राच्हें ग्रायहें व्हें ग्रामी सुप्रविष्य हैं रहुं या या द्या दिया ।
रदः त्युवाबात्यः लेबाङ्कीयः हेवा यदे अर्द्धवः केदः व्यवाबायन्दः या(308)
ସ୍ତିମ: ଖିୟଷ: ଖ୍ଲିଁ ୪: ଦ୍ୟ: ପର୍ଷ: ସ୍ଥ: ସମ୍ପର: ଖି: ସମ୍ପର: ଅଧି । ଅଧି
ইশ্ৰা(314)
মন্ত্রন্ত্রির শ্রাম্ব মান্ত্রী মর্কর জীন্ত্রন্ত্রি না আত্মন্ত্রন্ত্রা(314)
रटः भुग्रामा त्या चेता केव स्तुता परि हेव ररण विवागविक रिग्ना ची
सर्बद् केट् सँग्राचन्द्रच।
য়য়ৄৼয়ৄৼৼৣ৾ঀ৾৾৾য়ৼৣঀ৾য়য়ৣৼয়৻ড়ৢ৾য়৻য়ঀ৾ঽ৻য়৾
5্র-ইশ্রেট্রাম্র্রিন্ত্র্র্র্ব্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র
ସ୍ତମ୍ୟୁ ଅକ୍ଷ୍ୟ ଅଧି । ଶୁ ଅକ୍ଷ୍ୟ ଅଧି ।
हेव : स्ट : प्रवेव : ग्व क : स्ग्र क : स्ग्र प्रवि : प
रैग्रामुःगुःग्वुरः दर्ने : द्रमुः अव्यास्टःग्वरःग्वे ग्वुरः धेवः स्रेवः यः द्रधुर् : य।(349)
होग्राक्रेत्रङ्गुदायदे द्रियेग्राय प्रमृद्या
वेग्-क्रेब्-ब्रुय-पर्व-क्रेन्-नु-प्र
वेगा केंद्र श्री क्षय प्राप्त वे प्रमुद्र प्रा